पंचायतीराज विभाग का अधिशाषी अभियंता रामवतार मीणा निकला करोड़ों का मालिक

ए.सी.बी. की टीमों ने ऑपरेशन ''भूदेव'' चलाकर रामवतार मीणा के जयपुर, करौली, गंगापुर सिटी और उदयपुर में एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने कार्रवाई करते हुए पंचायती राज विभाग इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर के अधिशाषी अभियंता हाल एसोसियट प्रोफेसर रामावतार मीणा के विरूद्ध आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज कर ऑपरेशन ''भूदेव'' चलाया। ए.सी.बी. ने रामवतार के जयपुर, करौली, गंगापुर सिटी व उदयपुर में स्थित एक दर्जन ठिकानों पर सर्च अभियान चलाया। एसीबी को सर्च कार्यवाही में करोड़ों रूपये के आलीशान मकान और फार्म हाउस होने की पुष्टि हुई।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी कि पंचायती राज विभाग,इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान जयपुर के अधिशाषी अभियंता हाल एसोसियट प्रोफेसर रामावतार मीणा द्वारा पद पर रहते हुए

आरोपी रामवतार मीणा

रिश्वत प्राप्त की जाकर भ्रष्ट तरीके से भ्रष्टाचार के द्वारा स्वयं एवं अपने परिवारजनों के नाम से अपनी वैद्य आय से अनुपातिक रूप से अधिक चल-अचल सम्पतियां अर्जित की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करोड़ों रुपए है।

इस शिकायत का एसीबी की इंटेलिजेंस टीम ने गोपनीय रूप से सत्यापन किया गया तथा अधिकारी द्वारा जयपुर, गंगापुर सिटी, करौली, उदयपुर के विभिन्न स्थानों पर

■ **करोड़ों रूपये के आलीशान मकान और फार्म हाउस होने की पुष्टि हुई**

आवासीय भूखण्ड, प्लांट्स, फार्म हाउस, कन्स्ट्रकशन कम्पनी, अर्जित करने के तथ्य प्रकट हुए। जिस पर विस्तृत रूप से तथ्य संकलित किये गये एवं तथ्यों की जाँच होने पर करीब 2.77 करोड़ (करीब 115 प्रतिशत) की परिसम्पत्तियां वैद्य आय से अधिक अर्जित का मामला बनना पाया जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया।

जिस पर ए.सी.बी. जयपुर नगर प्रथम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र अनुसंधान अधिकारी के नेतृत्व में सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर एसीबी की एक दर्जन से अधिक टीमों ने एक साथ बुधवार अल सुबह अधिशाषी अभियंता हाल एसोसियट प्रोफेसर रामावतार मीणा के जयपुर, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर एवं उदयपुर के विभिन्न स्थानों पर आवासीय भूखण्ड, प्लाट्स, फार्म हाउस, केसर, कन्स्ट्रक्शन कम्पनी करीब एक दर्जन विभिन्न ठिकानों पर तलाशी की कार्यवाही की गयी।

अब तक कि गयी सर्च कार्यवाही प्रथम सूचना रिपोर्ट में अंकित जयपुर शहर में इन्दिरा गांधी नगर में प्राइम लोकेशन पर 6 बडे प्लाट/मकान, जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र में रोहिणी नगर टीलावाला में करोड़ों रूपये की बेनामी सम्पति, जयपुर के अचलपुरा कोटखावदा में मुख्य मार्ग पर बेशकीमती व्यावसायिक उपयोग के लिए लाखो रूपये की कृषि भूमि में निवेश, खिरखिड़ा गांव करौली में करीब 5 बीघा का खेत/फार्म हाउस, जिसमे लाखों रुपये का निर्माण कार्य हो रखा है। गंगापुर सिटी में दो मंजिला मकान एवं गंगापुर सिटी के जमीन चल-अचल संपत्ति होने की पुष्टि हुयी।

आरोपी द्वारा इन्दिरा गांधी नगर जयपुर में करीब 7500 वर्गफीट में एक आलीशान कोठी का निर्माण करवाया जा रहा है, जिसमें अब तक करीब एक करोड़ रुपये का व्यय करना प्रकट हुआ है। जयपुर स्थित आलीशान मकान व खिरखिड़ा करौली स्थित फार्म हाउस, गंगापुर सिटी स्थित आलीशान दो मंजिला मकान आदि में करोडो रुपये व्यय होने का अनुमान है। मकान, फार्म हाउस की कीमत का आकलन तकनीकी विशेषज्ञ अप्रूव्ड वैल्यू के अनुसार करवाया जा रहा है। तलाशी के दौरान करीब 3 लाख रुपये एवं लाखो रूपये का महंगी लग्जरी वाहन, जीप कम्पास होने की पुष्टि हुयी। सर्च कार्यवाही में आरोपी द्वारा अपनी पत्नी के नाम से कन्स्ट्रक्शन कम्पनी एवं माइनिंग लीज होने की पुष्टि हुई। जिसमें आरोपी द्वारा करोड़ों रुपये का निवेश करना सामने आया।

ब्यूरो के प्राथमिक आंकलन, प्रथम सूचना रिपोर्ट एवं अब तक तलाशी में मिले दस्तावेजों के अनुसार आरोपी रामावतार मीणा द्वारा अपने सेवाकाल में भ्रष्ट साधनों द्वारा करोड़ों रुपये की कीमत के अनेक चल-अचल सम्पतियां अर्जित करने का अनुमान है, जो उनकी वैद्य आय से अनुपातिक रूप से बहुत अधिक है। इसके अतिरिक्त आरोपी एवं उसके परिजनों द्वारा कई अन्य परिसम्पतियों में निवेश के साक्ष्य मिले है।

दिवाली से पूर्व 159 आवंटियों को मिले सपनों के घर के आवंटन पत्र

यू.डी.एच. मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने लाभार्थियों को सौंपे दस्तावेज

जयपुर। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड द्वारा निर्मित समृद्धि अपार्टमेंट, जयपुर के 159 पात्र आवंटियों को बुधवार को उनके आवंटन पत्र सौंपे गए। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने लाभार्थियों को उनके सपनों के घर के दस्तावेज़ सौंपे ।

यह आयोजन प्रताप नगर स्थित

■ **शहरी सेवा शिविर 2025 में राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अब तक 2200 से ज्यादा प्रकरणों को निस्तारण किया**

मण्डल के वृत प्रथम कार्यालय में चल रहे शहरी सेवा शिविर 2025 अभियान के अंतर्गत किया गया। मंत्री खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि हर परिवार को सम्मानजनक जीवन देना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हर सर को छत के संकल्प को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री खर्रा ने सभी 159 आवंटियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत और आत्मनिर्भर जीवन की नींव

नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को हाऊसिंग बोर्ड की ओर से आयोजित शहरी सेवा शिविर में लाभार्थियों को आवंटन पत्र सौंपे। इस मौके पर आवासन अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि भी मौजूद थे।

हैं। उल्लेखनीय है की शहरी सेवा शिविर 2025 के माध्यम से हाऊसिंग बोर्ड ने अब तक लगभग 2200 से ज्यादा प्रकरणों का निस्तारण किया है ।

आवासन अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने कहा कि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड ने अपनी योजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को प्राथमिकता दी है। समृद्धि अपार्टमेंट परियोजना आम नागरिकों को किफायती दरों पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास प्रदान करने का सफल उदाहरण है। हाऊसिंग बोर्ड बोर्ड अब पारंपरिक निर्माण से आगे बढ़कर तकनीकी नवाचार व नागरिक सुविधा केंद्रित परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। आगामी समय में बोर्ड द्वारा राज्यभर में कई नई आवासीय परियोजनाएँ प्रारंभ की जाएंगी।

आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया की समृद्धि आवासीय योजना में प्रति फ्लैट की कीमत 35 लाख अनुमानित थी, लेकिन मण्डल ने उसी उच्च गुणवत्ता के साथ प्रत्येक फ्लैट 31 लाख में दिया है। मण्डल भविष्य में भी विभिन्न आय वर्ग के लिए इसी तरह किफायती दरों पर उच्च गुणवत्ता वाले आवास उपलब्ध करवाता रहेगा ।

आयकर विभाग जयपुर रेंज प्रथम का एमटीएस गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय की जयपुर नगर तृतीय जयपुर टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग जयपुर रेंज-प्रथम एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के विष्णु पारीक को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय जयपुर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी फर्म साकेत जेम्स के आयकर रिटर्न वर्ष 2014-15 के आयकर अपीलीय अधिकरण न्यायपीठ जयपुर द्वारा दिये गये फैसले में परिवादी के करीब 58 लाख रुपये आयकर विभाग को लौटाने का आदेश जून 2024 में दिये, जिस पर आयकर विभाग द्वारा परिवादी को करीब 40 लाख रुपये रिटर्न किये एवं शेष रुपये अन्य अपील में होल्ड कर दिये। जिस

पर एमटीएस (मल्टी टास्किंग स्टाफ) के विष्णु पारीक द्वारा 40 लाख रुपये लौटाये जाने एवं शेष अपील के रुपये दिलाने की एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगे और सत्यापन के दौरान 5 हजार रुपये प्राप्त किए।

जिस पर एसीबी जयपुर नगर तृतीय जयपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए एमटीएस विष्णु पारीक को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

एक्सिस बैंक ने नई नकदी और सिक्का मेला लगाया

जयपुर। भारतीय रिज़र्व बैंक जयपुर के निर्देशां के अनुरूप, एक्सिस बैंक के जयपुर करेंसी चेस्ट ने राजस्थान की कई शाखाओं में नया नकदी और सिक्का मेला आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य आम जनता के लिए नई नोटों और सिक्कों तक आसान पहुँच को सुगम बनाना था और इसमें उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। इस मेले का नेतृत्व एक्सिस बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक मुनीश शर्मा, प्रदीप कुमार और क्लस्टर प्रमुख अमित रस्तोगी ने किया, जिन्हें आरबीआई जयपुर टीम का भरपूर सहयोग मिला। उनके सहयोगात्मक प्रयासों ने पूरे आयोजन के दौरान सुचारू वितरण और जनभागीदारी सुनिश्चित की। एक्सिस बैंक ने मेले को सफल बनाने में उनके अमूल्य मार्गदर्शन व सहयोग के लिए क्षितिजराज सिंह (उप महाप्रबंधक आरबीआई) और अभिषेक दीक्षित (सहायक महाप्रबंधक आरबीआई) का आभार जताया।

पालड़ी मीणा में 100 किलो मिलावटी पनीर नष्ट कराया

जयपुर। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की टीम ने बुधवार को आगरा रोड स्थित पालड़ी मीणा में 100 किलो मिलावटी पनीर जब्त कर नष्ट करवाया।

सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार दीपावली के त्यौहार के मध्यनजर अलग अलग टीमें बनाकर सघन निरीक्षण किया जा रहा है। विशेषत: घी, तेल, मसाले, पनीर,मावा औश्र मिठाइयों की निर्माण इकाइयों एवं विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। टीम ने बुधवार की सुबह पालड़ी मीणा में मिलावटी पनीर के एक कारखाने पर कार्यवाही करते हुए 100 किलो मिलावटी पनीर नष्ट करवाया। मुस्तफा खान, प्रताप डेयरी के नाम से कारखाना चला रहा था। वह बड़ौदामेव अलवर से दूध मंगा कर पनीर तैयार करते हैं और फिर मौके पर दूध से क्रीम निकालने की मशीन लगी हुई थी। मुस्तफा ने स्वीकार किया किया कि दूध में से फैट निकालकर पनीर तैयार करता है, और ढाबों रेस्टोरेंट पर रुपए 220 प्रति किलो में बेचता है।

इस तरह से दूध में से क्रीम निकालकर मिलावटी पनीर तैयार किया जा रहा था। पूर्व में भी इस कारखाने पर कार्यवाही में लिए गए नमूने अमानक पाए गए थे। कार्यवाही में 100 किलो मिलावटी पनीर नष्ट करवाया गया। परिसर में गंदगी और अनहाइजेनिक तरीके से पनीर तैयार किया जा रहा था। उच्चाधिकारियों के निर्देशानुसार पनीर निर्माण पर अग्रिम आदेशों तक पाबंदी लगाई गई।

फर्म को इंप्रूवमेंट नोटिस जारी कर नमूने की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

एफएमडी नेटवर्क लेबारेट्री की समीक्षा बैठक

जयपुर । देश में पशुधन स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा खुरपका मुंहपका रोग (एफएमडी) नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए एफएमडी नेटवर्क लेबोरेट्री की 32वीं वार्षिक समीक्षा बैठक का दो दिवसीय आयोजन आज जयपुर में राज्य रोग निदान केंद्र, पशुपालन विभाग के तत्वावधान में संपन्न हुआ। संयुक्त निदेशक राज्य रोग निदान केंद्र डॉ. लोकेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस बैठक में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, विभिन्न राज्य पशु रोग जांच प्रयोगशालाओं तथा नेटवर्क लेबारेट्री के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर देशभर के विशेषज्ञों ने एफ.एम.डी. नियंत्रण अभियान की प्रगति, प्रयोगशालाओं के प्रदर्शन, निदान में नई तकनीकों के उपयोग तथा वैक्सीन गुणवत्ता नियंत्रण से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ राघवेन्द्र बट्टा ने पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में नेटवर्क लेबोरेट्री की भूमिका की सराहना की।

सार-समाचार

डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग के ट्रायल्स संपन्न

जयपुर । एसबीआई डीबीएल सीजन 7 के खिलाड़ियों के ट्रायल्स स्पॉफ़िट एकेडमी में संपन्न हुए। डीबीएल चेयरमैन डॉ. अनिल यादव ने बताया कि इसमें किड्स,बॉयज़ ,मेन्स व वुमेन्स केटेगरी में ट्रायल्स हुए। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि मेन्स केटेगरी में डॉ. बन, डॉ. अक्षत, डॉ. शुभम, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. श्रेय गुप्ता व डॉ. महेंद्र मीना ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया व चयनित हुए । आयोजन सचिव डॉ. हनुमान खोजा ने बताया कि वूमेंस केटेगरी में डॉ. दिव्या, डॉ. काशवी, डॉ. नेहा जांगिड, डॉ. नेहा शर्मा, डॉ. लावण्या व डॉ. रिशिता ने अच्छा प्रदर्शन कर प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया । लीग कोऑर्डिनेटर निधि पूनिया ने बताया कि बॉयज केटेगरी में देवांश, आदित्य, दर्शील, मोहित, विनय व महेंद्र ने प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई। लीग कॉर्डिनेटर डॉ. दिलीप गुप्ता ने बताया कि किड्स केटेगरी में मित्रुका, रैना, दहीर, नयनिका, पूर्णव राशीष, अविन, क्षितिज, अदविल व प्रियांश ने प्रतियोगिता के लिए क्वालीफ़ाई किया । लीग कॉर्डिनेटर डॉ. सुधांशु शर्मा ने बताया की यह लीग 21 से 30 नवंबर तक आयोजित होगी जिसमें जयपुर समेत लगभग 400 खिलाड़ी भाग लेंगे।

जेसीटीएसएल यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

जयपुर । पुरानी पेंशन योजना के संबंध में 9 अक्टूबर को राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश को वापिस लेने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम का ज्ञापन जेसीटीएसएल एम्पलाईज यूनियन एटक ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम विनीता सिंह को सौंपा। यूनियन के अध्यक्ष बोदूराम वर्मा ने बताया कि वित्त विभाग ने गत 9 अक्टूबर को आदेश निकाला था कि, आर्थिक रूप से कमजोर राज्य के बोर्ड, निगम, राजकीय उपक्रम, विश्वविद्यालय एवं स्वायत्तशासी संस्थाओं में सेवानिवृत्त व मृतक कर्मचारियों के आश्रितों एवं सेवारत कर्मचारियों को जीपीएफ लिंक्ड पेंशन स्कीम के तहत जमा राशि लौटने और पुरानी पेंशन योजना बन्द करने की छूट दी गई है। इस आदेश से कर्मचारियों में सामाजिक असुरक्षा का भाव उत्पन्न हो रहा है, जिससे कर्मचारियों में सरकार के प्रति गहरा आक्रोश है। पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों के लिये बुढापे का सहारा और सामाजिक सुरक्षा का आधार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा जारी आदेश पुरानी पेंशन योजना से वंचित करने का अवांछनीय प्रयास है। इस आदेश में सार्वजनिक उपक्रमों व स्वायत्तशासी संस्थाओं को अपनी वित्तीय स्थिति के आधार पर पुरानी पेंशन योजना बन्द करने का आधार मिल रहा है। अगर ऐसा हुआ तो लाखों कर्मचारियों का भविष्य अंधकारमय हो जायेगा, जो कि उनके साथ अन्याय होगा।

30 से ज्यादा बसों के काटे चालान

जयपुर । जैसलमेर में बस में आग लगने के बाद राजस्थान परिवहन विभाग ने बसों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान की शुरु डीटीओ आदर्श राघव के निर्देशन में की गई है। डीटीओ ने पांच टीमों के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाया है। टीम ने करीब डेढ से अधिक बसों की जांच है। आरटीओ प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जिन बसों परमिट ,फिटनेस और टैक्स जमा नहीं है। उन बसों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया है। जिसके लिए पांच टीम बनाई गई है। पांचों ने करीब 150 से अधिक बसों की जांच की है। जांच के दौरान लगेज और क्षमता से अधिक सवारियां लेकर चलने वाली बसों के साथ ही बिना परमिट, फिटनेस और टैक्स के संचालित बसों पर कार्रवाई की है। अभियान के तहत राजस्थान परिवहन विभाग ने 30 बसों के चालान बनाए है। राजेंद्र शेखावत ने बताया कि यह विशेष अभियान दीपावली तक जारी रहेगा।

रीजीविका सदस्यों ने देखी प्रदर्शनी

जयपुर । राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), जयपुर के तहत लगभग 1000 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने राजस्थान पुलिस द्वारा जयपुर एग्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर सीतापुरा में आयोजित नए आपराधिक कानूनों पर लाइव प्रदर्शनी में भाग लिया। यह प्रदर्शनी 13 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2025 तक आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य नए आपराधिक कानूनों के प्रावधानों तथा उनकी नागरिकों, विशेषकर महिलाओं के लिए प्रासंगिकता के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना है। प्रदर्शनी को इस प्रकार तैयार किया गया है कि जटिल कानूनी प्रावधानों को इंटरैक्टिव डिस्प्ले, ऑडियो-विज़ुअल प्रस्तुतियों और लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से सरल और समझने योग्य बनाया जा सके। विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा, साइबर एवं डिजिटल अपराध तथा न्याय प्रणाली में सुधार से जुड़े प्रावधानों पर विशेष ध्यान दिया है।

एस.एम.एस. अस्पताल में रिश्वतकांड के बाद तीन पुराने कर्मचारी हटाए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । रिश्वत कांड में पकड़े गए सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के डॉ मनीष अग्रवाल के बाद एसएमएस मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने स्टोर शाखा में फेरबदल किया है। जिसमें प्रिंसिपल ने स्टोर शाखा के तीन कर्मचारियों को वहां से हटा कर उनकी जगह नए कर्मचारियों को नियुक्त किया है। इसके अलावा जो कर्मचारी सालों से स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत था, उसे हटाकर स्टोर इंचार्ज बना दिया गया है। कॉलेज के आदेशों के अनुसार, स्टोर शाखा (उपापन) में कार्यरत जगदीश प्रसाद यादव को हटाकर स्टोर कीपर बनाया गया है।

वहीं केदार प्रसाद स्वर्णकार (सामान्य शाखा) और ऋषि कुमार (संस्थापन शाखा) को स्टोर शाखा (उपापन) में नियुक्त किया गया है। सुरेन्द्र कुमार पाटीदार को स्टोर शाखा (उपापन) से सामान्य शाखा में, प्रमोद सिंह को लेखा शाखा से भंडार शाखा में और धनंजय सिंह को भंडार शाखा से लेखा शाखा में स्थानांतरित किया

■ **स्टोर कीपर को हटाकर स्टोर इंचार्ज का सौंपी जिम्मेदारी**

गया है। इसके अलावा, शंकर लाल जलुथरिया, जो पिछले कई सालों से स्टोर कीपर के पद पर कार्यरत थे, शंकर लाल जलुथरिया को अब स्टोर इंचार्ज बनाया गया है।

बताया जा रहा है कि रिश्वत कांड में पकड़े गए डॉ मनीष अग्रवाल पर 11 शाखाओं का भार था , वो 11 शाखाओं का काम देखते थे। डॉ मनीष अग्रवाल के पास आईटी सेल, आरटीआई एवं लीगल सेल, महिला एवं जनाना हॉस्पिटल के सुपरविजन, पैरा क्लिनिक डिपार्टमेंट समेत कई अन्य विभागों का प्रभार था।बताया जा रहा है कि मेडिकल कॉलेज में स्टोर शाखा का महत्वपूर्ण रोल है। मेडिकल कॉलेज के अलावा इससे अटैच 7 अन्य अस्पताल में मेडिकल से जुड़े उपकरण तमाम सामान और दवाईयां सप्लाई होती है।

2727 किलो मिलावटी मिल्क केक और मावे से बनी मिठाइयां नष्ट करवाई

दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा टीम की जयपुर जिले में बड़ी कार्रवाई

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार द्वारा संचालित ''शुद्ध आहार-मिलावट पर वार'' अभियान के तहत जयपुर जिले में खाद्य सुरक्षा टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 2727 किलो मिलावटी मिल्क केक और मावा मिठाई जब्त कर नष्ट कराई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि टीम ने गुर्जरों की ढाणी, मोरीजा रोड, चोमूं स्थित एक कारखाने में छापा मारकर भारी मात्रा में मिलावटी मिठाई पकड़ी। कार्रवाई के दौरान पाया गया कि कारखाने में मिल्क केक और मावा मिठाई को दूध या मावे की जगह रिफाइंड सोयाबीन तेल, सूजी और ग्लूकोज के अमानक एवं कृत्रिम पदार्थों से तैयार किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म के पास खाद्य सुरक्षा लाइसेंस भी नहीं

खाद्य सुरक्षा टीम ने चौमूं में मोरिजा रोड पर गुर्जरों की ढाणी स्थित एक कारखाने में छापा मारकर भारी मात्रा में मिलावटी मिठाई पकड़ी।

था। इसी तरह खाद्य सुरक्षा टीम ने चीथवाड़ी मोड स्थित श्री श्याम मावा पनीर प्रतिष्ठान पर भी निरीक्षण किया। यहां से दूध के टैंकर से दूध के नमूने तथा दूध से तैयार मावा के नमूने विधिवत रूप से एकत्र किए गए, जिन्हें परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि दीपावली पर्व पर दूध व मिठाई की खपत में वृद्धि के चलते मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। इसलिए प्रशासन ने पहले से ही व्यापक अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा जनस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मिलावट करने वाले व्यापारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, नरेश कुमार चेजारा, नरेंद्र शर्मा और पवन कुमार गुप्ता सक्रिय रूप से शामिल रहे। टीम ने मौके पर ही मावा एवं मिठाई के भंडारण स्थान को सील कर उत्पादों को सुरक्षित रूप से नष्ट कराया।

लम्पी रोग नियंत्रण पर मंत्री जोराराम ने की विभाग की सराहना

जयपुर। पशुपालन, गोपालन और मत्स्य विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, एएमएस और के.पी.आई. आधारित ग्रेडिंग प्रणाली सहित अन्य विषयों की प्रगति की समीक्षा बैठक शासन सचिवालय में हुई।

बैठक में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। कुमावत ने कहा कि कहा कि लंपी धीरे धीरे कई जिलों में फैला है पर हमारे विभाग ने सावधानी बरतते हुए पहले से ही योजनबद्ध तरीके से इस पर काबू पा लिया। फिर भी हमें सचेत रहने की जरूरत है। कहीं से भी लंपी की सूचना मिलते ही तुरंत उस पर कार्रवाई करने के निर्देश पशुपालन मंत्री ने दिए। उन्होंने जैसलमेर जिले में सर्रा रोग का जिक्र

पशुपालन, गैपालन और मत्स्य विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को विभागीय बैठक आयोजित हुई।

करते हुए निर्देश दिया कि वहां बीमारी को आगे फैलने से रोकने के प्रयास करे। दवाइयों की भरपूर उपलब्धता और मौसमी बीमारियों की रोकथाम हो। शासन सचिव ने प्रदेश में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविरों में पशुपालन विभाग की प्रगति के विषय में विस्तार से चर्चा की। सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक के उपयोग की समीक्षा करते हुए डॉ समित शर्मा ने कहा कि यह तकनीक विभाग और राजस्थान के आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों से इस तकनीक के उपयोग की अब तक की प्रगति की जानकारी ली और इस पर असंतोष जताते हुए इसके प्रति उदासीनता के कारण का पता लगाते हुए इसकी सघन मॉनिटरिंग करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने सेक्स सॉर्टेड सीमेन से कृत्रिम गर्भाधान के लिए पशुधन निरीक्षक को प्रशिक्षण की आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण कराने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड, पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आनंद सेजरा, पशुपालन विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. सुरेश मीना, डॉ. प्रवीण सेन, डॉ. विकास शर्मा मौजूद थे।

अनिल अंबानी को राहत

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लि. और इसके नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन अनिल अंबानी सहित एक अन्य ओंकार रावत को राहत देते हुए इनके खिलाफ अतिरिक्त श्रम आयुक्त, जयपुर के 9 जून 2017 को जारी अभियोजन मंजूरी के आदेश और सीजेएम कोर्ट के प्रसंज्ञान आदेश को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रार्थियों के खिलाफ मामले में दी गई अभियोजन मंजूरी और उसके आधार पर लिए प्रसंज्ञान आदेश बिना विचार व विधिक आधार पर लिया है। ऐसे में इन दोनों आदेशों को निरस्त करना उचित होगा।

जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश अनिल अंबानी व अन्य की याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि ऐसी कार्यवाही न्याय प्रणाली पर अनावश्यक भार डालती है और निर्दोष व्यक्तियों के लिए मानसिक उत्पीड़न का कारण बनती है। उन्हें एक ऐसे फौजदारी मुकदमे में फंसाया गया, जो न तो कानून के अनुसार बनता है और न ही तथ्यों पर आधारित है। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता एके पारीक ने कहा कि प्रसंज्ञान और अभियोजन स्वीकृति पूरी तरह से अवैध व मशीनी अंदाज में दी है। लेबर कोर्ट के आदेश में स्पष्ट है कि बी.एस.ई.एस. लिमिटेड का इसमें कोई दायित्व नहीं है। कानूनी दायरे से बाहर होने के बावजूद उन्हें फंसाया है, जो कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। मामले के अनुसार शंभू सिंह बी.एस.ई.एस. लिमिटेड कंपनी में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर था। कंपनी के उन्हें सेवा से हटाने को 1999 में लेबर कोर्ट में चुनौती दी गई। इस दौरान शंभूसिंह और एम एस ट्रानसेक्स सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता हुआ था।